CRIME BS इंडिया आपतक आपकी आवाज़ NEWS

साप्ताहिक आवाज भंडारा

मुख्य संपादक : नौशिया खान

कार्यकारी संपादक : पवन मस्के

● वर्ष -०४ ● अंक - ०५ ● बुधवार दि.२९ जनवरी २०२५ ● RNI No.-MAHBIL/2021/80357 ● पृष्ठ -४ मुल्य -२ रू. ● Gmail-awazbhandara@gmail.com

आर्डिनेंस फैक्ट्री धमाके में 8 लोगों की मौत, 5 गंभीर घायल

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

जवाहरनगर / भंडारा : 24 जनवरी की सुबह जिले के जवाहरनगर स्थित आयुध निमार्णी भंडारा में हुए भीषण स्फोट ने पूरे इलाके को दहला दिया. सुबह 10.30 बजे बारूद (आरडीएक्स) की पैकिजिंग करने वाली एलटीपीई 23 नंबर इमारत में यह विस्फोट हुआ. विस्फोट होते ही तीन मंजिला इमारत मलबे में तब्दील हो गई जिससे राहत और बचाव कार्य में देरी हुई. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मृतकों के परिजनों को 5 लाख रु. देने की घोषणा की है. विस्फोट निमार्णी के एलटीपीई 23 नंबर इमारत में हुआ जहां साबूदाने जैसे कच्चे माल का उपयोग कर आरडीएक्स बनाकर पैकिजिंग किया जाता है. विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज करीब 8 किलोमीटर दूर तक सुनी गई. वहीं 12 किमी तक आसपास के गांवों में कंपन महसूस हुआ, इमारतों को झटके लगे और खिड़कियों के शीशे टूट गए. निमार्णी परिसर में मानो भूकंप जैसा अनुभव हुआ.

मृतकों की पहचान और स्थिति स्फोट के दौरान 13 कर्मचारी इमारत के बे में दब गए. इनमें से 8 की मौत हो गई. मृतकों में 7 पुरुष और एक 20 वर्षीय युवक शामिल हैं. मृतकों के परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. कई मृतकों की पहचान उनके क्षत-विक्षत शरीर के कारण मुश्किल हो गई.

घटना में घायल 5 कर्मचारियों का इलाज जारी है. उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है. स्थानीय अस्पतालों में डॉक्टरों और नर्सों ने तुरंत उपचार शुरू किया. डॉक्टरों ने बताया कि घायलों की हालत देखकर उनका भी दिल पसीज गया. स्फिोट के बाद घटनास्थल पर मलबा, जले हुए सामान और बिखरे अवशेषों का भयानक दृश्य था. आग पर काबू पाने में कई घंटे लग गए. बचाव कार्य में स्थानीय प्रशासन, पुलिस और अग्निशमन दल ने तेजी दिखाई. एनडीआरएफ और नागपुर से एसडीआरएफ, नागपूर महानगर पालिका टीमों ने बचाव कार्य में सहायता की. सुरक्षा कारणों से घटनास्थल पर केवल अधिकारियों को प्रवेश दिया गया. मृतकों के परिजन घटनास्थल के बाहर अपने प्रियजनों का पता लगाने के लिए परेशान दिखे. घटना के बाद जिलाधिकारी डॉ. संजय कोलते और पुलिस अधीक्षक नूरूल हसन मौके पर पहुंचे. राज्य और केंद्र सरकार ने घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दिए हैं. केंद्रीय सुरक्षा विभाग की टीम ने जांच शुरू कर दी है.

स्थानीय लोगों का गुस्सा और मांग

इस त्रासदी के बाद स्थानीय निवासियों में आक्रोश है. उनका कहना है कि औद्योगिक सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं किया गया. उन्होंने मांग की है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं. यह विस्फोट न केवल मृतकों के परिजनों बल्कि पूरे इलाके के लिए दर्दनाक अनुभव बन गया है. घटना के बाद से भंडारा जिले में शोक और दहशत का माहौल है.

रो-रो कर मां और पत्नी का बुरा हाल

निमार्णी के एलटीपी प्लांट में थे। जैसे ही हादसे की खबर सुनी तो मां और पत्नी का रो रो कर बुरा हाल था। सुबह ही मृतक धर्मा रंगारी घर से ड्यूटी के लिए निकले थे। उनके दो छोटे-छोटे बेटे हैं। घर का आलम देखकर दिल बैठा जा रहा था। दोपहर को आखिरकार वह नहीं रहे ऐसी खबर आई। आंखों के सामने बार बार उसकी पत्नी और मां का रोता चेहरा आ रहा था।

-अजय नागदेवे,
मृतक धर्मा के करीबी

घायल मरीजों केलिए मुफ्त ब्लड

समर्पण ब्लड बैंक, भंडारा की ओर से ओंकार नखाते द्वारा घायलों को मुफ्त ब्लड उपलब्ध कराया गया. आवश्यकता पड़ने पर 9665759771 पर फोन करने या ऑर्डनन्स फैक्ट्री भंडारा कर्मचारी सहकारी पत संस्था, जवाहरनगर के लेखापाल सुरेंद्र कुलस्कर से संपर्क करने की जानकारी दी है.

प्रतिदिन की तरह निलेश ड्यूटी पर गया। और 11 बजे मुझे मेरे दुसरे बेटे का फोन आया। उसने हादसे के बारे में बताया। घर में उसकी पत्नी का रो-रो कर बुरा हाल था। मोबाइल प्रतिबंध के कारण निलेश को कॉल भी नहीं कर सकते थे। दो घंटे तक दिल में बुरे खयाल आ रहे थे। जब करीब 1 बजे निलेश का कॉल आया। उसने बताया कि मां मैं ठिक हूं। उसके बाद जान में जान आयी।

- अरुणा मोटघरे,
एक निमार्णी कर्मचारी की मां

केंद्रीय मंत्री गडकरीने व्यक्त की संवेदना

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की. भंडारा-गोंदिया लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. प्रशांत पड़ोले ने कोयम्बटूर से वीडियो शेयर कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की जबकि भंडारा के विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने मौके पर पहुंचकर मृतकों और घायलों के परिवारजनों की हिम्मत बंधाई.

ऐसा मंजर जीवन में पहली बार देखा

रोजमर्रा की तरह अंकित घर से निकला। उसका करीब छह से सात माह पूर्व आयुध निमार्णी में चयन हुआ था। जैसे ही हादसा हुआ। धमाके की आवाज से अनहोनी का अंदेशा हुआ। देखा तो कारखाने से धुंआ निकाल रहा था। दिल बैठ गया। दोपहिया निकालकर गांव के कुछ लोगों के साथ हम निमार्णी गेट की तरफ पहुंचे। हर तरफ पुलिस का बंदोबस्त था। एम्बुलेंस आ जा रही थीं। अस्पताल परिसर में भी रोने बिलखने की आवाजें आ रही थीं। अंकित के प्लांट में हादसे की बात की पुष्टि होते ही दिल की धड़कने तेज हुई। ऐसा मंजर जीवन में पहली बार देखा। जिसमें चचेरा भाई छीन लिया।

सभी आठ शवों का 25 जनवरी को उनके गांव में अंतिम संस्कार किया गया। जिसमें से जवाहरनगर आदर्श कॉलोनी में चंद्रशेखर वासुदेव गोस्वामी (49), परसोडी निवासी अजयकुमार भजनदास नागदेवे (51) का जवाहरनगर की श्मशानभूमि में अंतिम संस्कार हुआ। अंतिम संस्कार के समय मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयुध निमार्णी डायरेक्टर राकेश ओझा, चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर प्रकाश अग्रवाल, क्वालिटी जी.एम. डी. यू देशमुख उपस्थित थे। साथ ही हजारों की संख्या में नागरिकों ने शोकाकुल माहौल में मृतकों को अंतिम विदाई दी। इस समय आस पास के गांव के सभी दुकानें पूरी तरह से बंद नजर आई। अन्य छह मृतकों का उनके गांव की श्मशानभूमि में अंतिम संस्कार किया गया। आयुध निमार्णी कर्मचारियों के बचावकार्य का सिलसिला 24 जनवरी को देर रात तक चला। उसके पश्चात जिला अस्पताल में सभी शवों का पोस्टमार्टम देर रात तक चला। सुबह परिजनों को मृतकों के शव सौंपे गए। किंतु आंदोलन के कारण आयुध निमार्णी कर्मचारी सभी शवों के निमार्णी के मुख्य गेट पर लाये। मृतकों में बेला निवासी मनोज आनंदराव मेश्राम (55), परसोडी निवासी अजयकुमार भजनदास नागदेवे (51), आदर्श कॉलोनी निवासी चंद्रशेखर वासुदेव गोस्वामी (49), भंडारा के छत्रपति शाहु नगर निवासी अभिषेक गोपाल धौरसीया (38), आदर्श कॉलोनी निवासी लक्ष्मण भार्गव केलवदे (45), अंबिका नगर निवासी धम्मानंद पद्माकर रंगारी (40), साहुली निवासी अंकित हुसन बारई (20) नागपुर जिले के खात निवासी संजय रामचंद्र कोरेमोरे (37) का समावेश था।

आयुध निमार्णी के लो टेंपरेचर प्लास्टिक एक्पोजर (एलटीपी) 23 इमारत में विस्फोट में मारे गए आठ में से छह कर्मचारियों के शव रखकर कंपनी के मेट पर जमकर प्रदर्शन किया गया। शनिवार सुबह से कर्मचारियों की चार यूनियनों ने कंपनी के सीजीएम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगे रखें। इससे परिसर में दिन भर तनाव बनाया। सीजीएम सुनील सो पर मैखरादतन हत्या का मामला दर्ज करने, मृतकों के परिवारों को एक-एक करोड़ मुआवजा व परिवार के सदस्य को नौकरी देने घायलों का इलाज करने और और मुआवजा देने की भांग रखी गई। लिखित आश्वासन के बाद कर्मचारी यूनियनों ने प्रदर्शन बंद किया। उसके बाद शवों को अंतिम संस्कार के लिए भेजा गया। में हुए धमाके के बाद दूसरे दिन शनिवार को इंटक, ऑल इंडिया डिफेन्स एम्पाइल फेडरेशन (एआईडीएक रेड) भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस), डेमोक्रेटिक मजदूर यूनियन (डी 2) के पदाधिकारियों के नेतृत्व आयुध निमार्णी के मुख्य गेट पर लगभग 500 कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शकारियों ने मुखा लगभग 11 बजे से अपनी मांगे रहे। इस दौरान कंपनी के सीजीएम सुनील सप्रे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। महिला प्रदर्शनकारियों ने भी इसमें हिस्सा लिया।

सीजीएम सप्रे को बाहर निकालो के नारे लगे। मृतक के परिजनों को नियमों के परे जाकर एक करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग की गई। लेकिन आयुध निमार्णी के वरिष्ठ अधिकारियों ने चर्चा दौरान यूनियन के लोगों को ऐसा प्रस्ताव वरिष्ठ स्तर पर भेजने का आश्वासन दिया। साथ ही आठ में से सात कर्मचारियों को केंद्र सरकार की ओर से 25 लाख व आयुध निमार्णी के मुनाफे में से 25 लाख रुपए की सहायता व परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का लिखित आश्वासन दिया।

आम तौर पर ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर मृतक को 25 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाता है। इन्हें मुख्यमंत्री सहायता राशि के पांच लाख अलग से दिए जाएंगे। वहीं अप्रेंटिस वाले मृतक युवक अंकित बारई के परिवार को आयुध निमार्णी अपने मुनाफे से 25 लाख रुपए देगी। मुख्यमंत्री सहायता निधि से पांच लाख की राशि दी जाएगी। लगभग शाम 4.30 बजे मांगे पूर्ण होने के पश्चात मृतक कर्मचारियों के शवों को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया।

आयुध निमार्णी के सीजीएम सप्रे समेत तीन का तबादला

आयुध निमार्णी भंडारा (जवाहर नगर) में शुक्रवार, 24 जनवरी को हुए भीषण विस्फोट के बाद तीन वरिष्ठ अधिकारियों के आनन-फानन में तबादले कर दिए गए है। इनमें आयुध निमार्णी के चीफ जनरल मैनेजर सुनील सप्रे, जनरल मैनेजर अनुज किशोर प्रसाद तथा ललित कुमार का समावेश है। अब निमार्णी के नए चौफ जनरल मैनेजर दीपक उध्दवराव देशमुख होंगे। इससे पूर्व देशमुख पुणे में जनरल मैनेजर पद पर कार्यरत थे।

इस भीषण विस्फोट में आठ लोगों की दर्दनाक मृत्यु हो गई थी, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के 48 घंटे के भीतर यानी 26 जनवरी को कृते अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) मो. शहीर फारूकी ने तबादले का आदेश निकाला है।

विस्फोट की घटना के बाद यह विभागीय पहली कार्रवाई है। बता दें कि आयुध निमार्णी के लो टेंपरेचर प्लास्टिक एक्पोजर (एलटीपी) 23 इमारत में 24 जनवरी की सुबह 10.40 बजे भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें आठ लोगों को दर्दनाक मृत्यु हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे के बाद अलग-अलग तीन दलों ने जांच शुरू कर दी है। पर कृते अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) मो. शहीर फारूकी ने 26 जनवरी को आदेश निकालकर आयुध निमार्णी के प्रमुख अधिकारियों के तबादले कर दिए तथा चीफ जनरल मैनेरज सुनील सप्रे को तत्काल पद दीपक देशमुख को सौंपकर पुणे के मुख्यालय में पहुंचने के आदेश दिए है। जबकि अनुज किशोर प्रसाद भंडारा में रहकर पुणे मुख्यालय के आदेश पर भंडारा के निमार्णी में काम करेंगे। काम की रिपोर्ट पुणे को करनी होगी। वहीं जनरल मैनेजर ललित कुमार को पुणे मुख्यालय में सुरक्षा विभाग में भेजा गया है। इस कार्रवाई से यह स्पष्ट है कि रक्षा मंत्रालय ने इस हादसे को गंभीरता से लिया है।

कांग्रेस की कविता उईके बनीं जिप अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पद पर राकांपा अजित पवार के फेंडर

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जि. प. अध्यक्ष का निर्विरोध चयन, उपाध्यक्ष पद के लिए हुआ चुनाव भंडारा : भंडारा जिला परिषद के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के लिए सोमवार, 27 जनवरी को हुए चुनाव में कांग्रेस पार्टी की उम्मीदवार कविता उईके का अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चयन किया गया। जबकि उपाध्यक्ष पद पर राकांपा (अजित पवार गुट) के प्रत्याशी एकनाथ फेंडर ने 30 वोट लेकर बहुमत से विजयी हुए। उल्लेखनीय है कि, भंडारा जिला परिषद में महायुति की सत्ता है।

इसके बावजूद भाजपा को अध्यक्ष पद से वंचित रहना पड़ा, जो राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना है। बता दें कि, जिला परिषद अध्यक्ष पद अनुसूचित जमाति महिला प्रवर्ग के लिए आरक्षित था। जिसके चलते भाजपा की ओर से उम्मीदवार माहेश्वरी नेवारे तथा कांग्रेस पार्टी की ओर से उम्मीदवार कविता उईके ने अपना नामांकन भरा था। पर ऐन चुनाव के सामने कविता उईके, माहेश्वरी नेवारे के जाति प्रमाणपत्र के खिलाफ कोर्ट में जाने से कोर्ट ने नेवारे के जाति प्रमाणपत्र को अवैध करार दिया।

जिससे माहेश्वरी नेवारे को सदस्य पद से अपात्र घोषित किया गया। परिणामस्वरूप, वह अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ सकी। ऐसे में चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस उम्मीदवार कविता उईकि यह एकमात्र उम्मीदवार होने से उन्हें अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

वहीं, उपाध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस के देवेंद्र इलमे, भाजपा के विनोद बांते तथा राकांपा (अजित पवार गुट) के उम्मीदवार एकनाथ फेंडर ने नामांकन भरे थे। ऐन समय पर भाजपा उम्मीदवार विनोद बांते ने नामांकन पीछे लेने के बाद देवेंद्र इलमे एवं एकनाथ फेंडर के बीच चुनाव हुआ। जिला परिषद सभागार में हुई विशेष सभा में कुल 52 सदस्यों में से 51 सदस्यों ने हाथ उठाकर मतदान किया। इसमें कांग्रेस उम्मीदवार देवेंद्र इलमे को कुल 21 तथा भाजपा उम्मीदवार एकनाथ फेंडर को कुल 30 वोट पड़े, जिससे एकनाथ फेंडर को बहुमत से विजयी घोषित किया गया। इधर, सदस्य पद रद्द होने से भाजपा के माहेश्वरी नेवारे को चुनाव में भाग नहीं लेने दिया गया, जिससे महायुति के कुल 31 सदस्यों में से 30 सदस्यों ने मतदान किया। इस समय राकांपा (अजित पवार गुट) नेता पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, विधायक डॉ. परिणय फुके, जिला बैंक के अध्यक्ष सुनील फुंडे, धनंजय दलाल व महायुति के नेता उपस्थित थे।

समग्र विकास के लिए शासन प्रतिबद्ध : पालकमंत्री

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : गांवठान की भूमि स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में अत्याधुनिक ड्रोन द्वारा सर्वेक्षण करके नागरिकों को भूमि के अधिकार अभिलेख (सनद, आखीव पत्रिका और नक्शा) डिजिटल रूप में प्रदान करने के लिए स्वामित्व योजना के तहत जिले में 97 प्रतिशत काम पूरा होने की जानकारी पालक मंत्री संजय सावकारे ने दी. यह जानकारी उन्होंने प्रजासत्तक दिवस के मुख्य कार्यक्रम में दी. कार्यक्रम की शुरूआत शुरूआत में ध्वजारोहण किया गया और राष्ट्रगीत तथा राज्यगीत का गायन हुआ. इसके बाद पुलिस, गृह रक्षक दल, विद्यालयी छात्रों और विभिन्न पथकों ने मानवंदना अर्पित की. इस अवसर पर मंच पर जिला परिषद अध्यक्ष गंगाधर जिभकाटे, सांसद डॉ. प्रशांत पडोले, जिलाधिकारी डॉ. संजय कोलते, मुख्य कार्यकारी अधिकारी समीर कुर्तकोटी, पुलिस अधीक्षक नुरुल हसन, उपवन संरक्षक राहुल गवई, निवासी उपजिलाधिकारी स्मित्ता बेलपत्रे उपस्थित थे. पालकमंत्री संजय सावकारे ने जिले के समग्र विकास के लिए शासन की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि, जिले में विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का आकलन किया गया है.

संपादकीय

त्यांच्यात ऑल इज वेल नसल्याचे स्पष्ट

रायगड आणि नाशिकमधील पालकमंत्रीपदाचा वाद चांगलाच चिघळला आहे. नाशिक जिल्ह्यासाठी गिरीश महाजन आणि रायगडमध्ये अदिती तटकरे यांची १८ जानेवारीला पालकमंत्रीपदी नियुक्ती केल्यानंतर शिवसेनेत प्रचंड नाराजी पसरली. त्यानंतर त्याच रात्री कॅबिनेटमंत्री आणि शिवसेना नेते भरत गोगावले समर्थक थेट मुंबई-गोवा महामार्गावर उतरले. त्यांनी रास्ता रोको आंदोलन केले, टायर जाळून रस्ता अडवला. यात काही तास रस्ता बंद होता, वाहनांच्या काही किलोमीटर लांब रांगा लागल्या होत्या. भरत गोगावले यांना पालकमंत्री केले नाही यात प्रवाशांची काही चूक होती का, मग त्यांना नाहक त्रास का सहन करावा लागला, हा महत्त्वाचा प्रश्न आहे. पालकमंत्रीपदावरून रायगडमध्ये रस्त्यावर झालेला राडा, लोकांना वेठीस धरणे ही बाब लोकप्रतिनिधी म्हणवून घेणा-यांसाठी भूषणावह नव्हती. 'जनतेच्या सेवेसाठी' असा जप दिवसातून शेकडो वेळा करणा-या लोकप्रतिनिधींचे हे वागणे अयोग्यच होते.

गोगावलेंची नाराजी आणि एकनाथ शिंदे यांचे दरे गावाला जाणे हे नाराजीचे दुसरे लक्षण असल्याने अवघ्या २४ तास-ंत मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यांनी रायगड, नाशिकच्या पालकमंत्रीपदाला स्थगिती दिली, याचा अर्थ मुख्यमंत्री बॅकफूटवर आले असेही होते. या निमित्ताने महायुतीतील शिवसेना आणि राष्ट्र-वादी काँग्रेस यांच्यातील रायगडमधील संघर्ष किती टोकाला गेला आहे, हे यातून स्पष्ट झाले आहे. विधानसभा निवडणुकीचा निकाल जाहीर झाल्यानंतर कर्जतचे आमदार महेंद्र थोरवे यांनी अदिती तटकरे यांना पालकमंत्रीपद देऊ नये, अशी थेट आणि जाहीर भूमिका मांडली होती. रायगडमधील सातपैकी तीन आमदार शिवसेनेचे, तीन आमदार भाजपचे असताना राष्ट्रवादी काँग्रेसला पालकमंत्री का दिले, असा खडा सवाल भरत गोगावले तसेच त्यांचे आणखी दोन सहकारी आमदार महेंद्र थोरवे आणि महेंद्र दळवी यांनी केला आहे. पालकमंत्री होणे ही भरत गोगावले यांची पहिल्यापासून इच्छा होती आणि त्यांनी ही इच्छा अनेकदा बोलून दाखवली होती. मात्र, याआधीही शिवसेना आणि राष्ट्रवादी यांचे जमत नसल्याने अदिती तटकरे महिला व बाल कल्याण मंत्री असूनही उद्योगमंत्री उदय सामंत यांच्याकडे रत्नागिरीसह रायगडच्या पालकमंत्रीपदाची जबाबदारी देण्यात आली होती. शिवसेना आणि राष्ट्रवादी काँग्रेस यांच्यातील रायगडमधील वाद तसा जुना आहे. मात्र, लोकसभा निवडणुकीनंतर त्यांच्यातील वाद जास्त चिघळला.

हा वाद शिवसेना विरुद्ध सुनील तटकरे असा आहे. कर्जतचे आमदार महेंद्र थोरवे यांनी सुनील तटकरे यांच्यावर यापूर्वी अनेकदा कठोर टीका केली आहे. थोरवे विरुद्ध तटकरे वाद कायम राहिला आहे .गोगावले विरुद्ध तटकरे यांच्यातही वाद होताच. मात्र, महायुती म्हणून निवडणूक लढवल्याने गोगावले यांनी थेट तटकरेंवर टीका केली नव्हती. मात्र, अदिती तटकरे यांना पालकमंत्री करताच गोगावलेंनी तटकरेंवर जोरदार टीका केली. ज्या तटकरेंना आम्ही खासदार होण्यासाठी मदत केली त्या तटकरेंनी गोगावले यांच्यासह महेंद्र थोर-वे आणि महेंद्र दळवी यांना पाडण्याचा प्रयत्न केला, असा गंभीर आरोप गोगावले यांनी केल्यामुळे पालकमंत्रीपदाचा वाद किती प्रतिष्ठेचा झाला आहे, हे लक्षात येते. विशेष म्हणजे या सर्व वादात अजून मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तसेच उपमुख्यमंत्री अजित पवार यांनी वादग्रस्त वक्तव्य करणे टाळले आहे. एवढेच नाही तर अदिती तटकरे यांनीही सामंजस्याची भूमिका घेत वादावर बोलणे टाळले आहे.

जिल्ह्यात शिवसेनेचे तीन आमदार असताना अदिती तटकरे यांच्याकडे पालकमंत्रीपद खेचून आणणे हा तटकरे यांच्या मुत्सद्दीपणाचा विजय होता. विशेष म्हणजे पालकमंत्रीपदाचा निर्णय फडणवीस-शिद पवार यांच्या बैठकीत झाला असल्यामुळे आता नाराजी जाहीर का केली, हा प्रश्न आहे. तरीही नाराजी असेल तर ती महायुतीमध्ये सोडवणे आवश्यक होते. त्यासाठी गोगावले समर्थकांनी रस्त्यावर उतरणे, प्रवाशांची गैरसोय करणे किती योग्य होते, याचा शिवसेनेने विचार करायला हवा. आता पालकमंत्रीपद पुन्हा अदिती तटकरे यांना मिळाले तरी शिवसेनेत नाराजीचा बॉम्ब फुटणार, शिवसेनेकडे पालकमंत्रीपद गेले तर तटकरे नाराज होणार. त्यामुळे यातून कसा मार्ग काढायचा, यात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यांच्या चातुर्याचा कस लागणार आहे.

विधानसभा निवडणुकीचा निकाल २३ नोव्हेंबर रोजी लागला. त्यानंतर मंत्रिमंडळ जाहीर व्हायला १५ डिसेंबर उजाडले. पुढे अधिवेशन संपेपर्यंत सर्व बिनखात्याचे मंत्री होते. २१ डिसेंबरला खातेवाटप झाल्यानंतर पालकमंत्र्यांची नियुक्ती जाहीर व्हायला १८ जानेवारीचा दिवस उज ाडावा लागला. यातून महायुतीने कितीही दावे केले तरी त्यांच्यात ऑल इज वेल नसल्याचे स्पष्ट होते. एक मात्र खरं ज्या लाडक्या बहिणींमुळे महायुती सरकार सत्तेत आले, ज्या लाडक्या बहिणींचे वारंवार जाहीर कौतुक महायुतीचे नेते करत होते त्यातीलच एक बहीण जेव्हा पालकमंत्री होते तेव्हा तिला कडाडून विरोध केला जातो. वास्तविक सध्या एकही महिला पालकमंत्री नाही. यातूनच लाडक्या बहिणांबद्दल सरकारमध्ये किती प्रेम आहे, हे दिसून येते

पशुसंवर्धन विभागाच्या 100 दिवस आराखड्याचे सादरीकरण

पाळीव प्राण्यांसाठी प्रत्येक जिल्ह्यात रुग्णालये उभारा : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : राज्यातील प्रत्येक जिल्ह्यात पाळीव प्राण्यांसाठी रुग्णालय उभारण्याच्या सूचना मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यांनी आज दिले.

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यांच्या अध्यक्षतेखाली सह्याद्री अतिथीगृह येथे पशुसंवर्धन विभागाच्या 100 दिवस आराखड्याच्या अनुषंगाने आढावा बैठक झाली. बैठकीस पशुसंवर्धन व पर्यावरण व वातावरणीय बदल मंत्री पंकजा मुंडे, क्रीडा मंत्री दत्तात्रय भरणे, मदत व पुनर्वसन मंत्री मकरंद जाधव पाटील, मत्स्यव्यवसाय मंत्री नितेश राणे, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक यांच्यासह संबंधित विभागाचे अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव व सचिव उपस्थित होते. पशुसंवर्धन विभागाचे सचिव डॉ. रामास्वामी यांनी सादरीकरण केले.

मुख्यमंत्री श्री. फडणवीस म्हणाले की, पाळीव प्राणी जखमी झाल्यास अथवा त्यांच्या आजारपणात उपचारासाठी पशुसंवर्धन विभागाकडे तज्ज्ञ उपलब्ध असून राज्यातील प्रत्येक जिल्ह्यात यासाठी रुग्णालये उभारण्याचा प्रस्ताव

तयार करावा. तसेच पशुसंवर्धन विभागातील मनुष्यबळाची रिक्त पदे तातडीने भरण्यासंदर्भात कार्यवाही पूर्ण करावी. पशुसंवर्धन व्यवसायाला कृषि व्यवसायाचा दर्जा देण्यासंदर्भातील प्रस्ताव तयार करण्याचेही त्यांनी यावेळी सांगितले. राज्यातील पशुधन वाढविण्यासाठी पशुसंवर्धन विभागाने गायी पैदासीसाठी स्वतःची यंत्रणा उभारावी. तसेच गायी पैदासीसाठी शेतक[]याचा सहभाग घ्यावा. तसेच चारा उपलब्ध व्हावा, यासाठी चारा व्यवस्थापन करावे. चारा उत्पादनासाठी जमीनींची उपलब्ध करून घेऊन उत्पादन वाढवावे. विदर्भ व मराठवाडा दुग्ध विकास प्रकल्प टप्पा दोन राबविताना इतर विभागांचेही सहाय्य घेण्यात यावे, अशा सूचना मुख्यमंत्री श्री. फडणवीस यांनी यावेळी केल्या.

शेळ्यांमधील देवी/लंपी चर्मरोग प्रतिबंधक लस निर्मिती लवकर करण्यात यावे. राष्ट्रीय संदर्भ लस चाचणी प्रयोगशाळा लवकर कार्यान्वित करण्याचे नियोजन करावे. लाळ खुरकत व पीपीआर प्रतिबंध लसीकरण मोहिम राबवावी. बर्ड फ्ल्यूसारखे रोग पसरू नयेत, यासाठी काळजी घ्यावी, असे निर्देशही मुख्यमंत्री श्री. फडणवीस यांनी यावेळी दिले.

राज्यातील विविध क्षेत्रात बदल झाल्यामुळे पशुप्रजनन धोरणात कालानुरुप बदल करणे आवश्यक असून त्यानुसार नवीन धोरण निश्चित करण्यात येणार आहे. तसेच पशुधनाची संख्या वाढविण्यासाठी विविध उपाययोजना करण्यात येणार आहे. तसेच पशुपालन व्यवसायात लोकसहभा वाढविण्यासाठी पशुवैद्यकीय संस्था पातळीवर अभियान राबविण्यात येणार असल्याचे पशुसंवर्धन मंत्री पंकजा मुंडे यांनी यावेळी सांगितले. मुख्यमंत्र्यांचे अपर मुख्य सचिव विकास खारगे, मुख्यमंत्र्यांच्या प्रधान सचिव अश्विनी भिडे, मुख्यमंत्र्यांचे सचिव डॉ.श्रीकर परदेशी, मदत व पुनर्वसन व विभागाच्या अपर मुख्य सचिव सोनिया सेठी, मत्स्यव्यवसाय सचिव डॉ. रामस्वामी एन. आदी यावेळी उपस्थित होते.

दिव्यांग योजनेसाठी 6 फेब्रुवारीपर्यंत करता येणार अर्ज

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : सन 2024-25 या सत्रासाठी दिव्यांग व्यक्तींना स्वावलंबी होण्याच्या दृष्टीने हरित उर्जेवर चालणा[]या पर्यावरणस्नेही फिरत्या वाहनावरील दुकान (मोबाईल शॉप ऑन ई व्हेईकल) मोफत उपलब्ध करून देण्याची योजना आहे. या योजनेच्या अंमलबजावणीची कार्यवाही महाराष्ट्र दिव्यांग वित्त व विकास महामंडळ, मर्यादित यांच्याकडून सुरू आहे. या अनुषंगाने या योजनेसाठी 6 फेब्रुवारी रोजी सायंकाळी सहा वाजेपर्यंत ऑनलाईन करण्याचे आवाहन करण्यात आले आहे. दिव्यांग व्यक्तींना पुरेशा सोयी- सुविधा उपलब्ध करून रोजगार निर्मितीस चालना देणे,दिव्यांग व्यक्तींचे आर्थिक, सामाजिक पुनर्वसन करणे, सर्वसामान्य व्यक्तींप्रमाणे दिव्यांग व्यक्तींना त्यांच्या परिवार, कुटुंबासमवेत जीवन जगण्यास सक्षम करणे हा या योजनेचा उद्देश आहे.

ज्येष्ठ नागरिकांना मदतीसाठी १४५६७ हेल्पलाईन क्रमांक

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : सामाजिक न्याय आणि सक्षमीकरण मंत्रालय भारत सरकारमार्फत देशभरातील ज्येष्ठ नागरिकांच्या विविध समस्या निवारणासाठी राष्ट्रीय टोल फ्री हेल्पलाइन क्रमांक १४५६७ सर्व राज्यांत व केंद्रशासित प्रदेशात सुरू करण्यात आला आहे. ज्येष्ठ नागरिकांनी मदतीसाठी या हेल्पलाइन क्रमांकावर संपर्क साधण्याचे आवाहन करण्यात आले आहे.

हा हेल्पलाईन क्रमांक राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय व विशेष सहाय्य विभाग, महाराष्ट्र शासन, समाज कल्याण आयुक्तालय महाराष्ट्र शासन आणि जनसेवा फाउंडेशन पुणे यांच्या संयुक्त विद्यमाने राज्यामध्ये चालविण्यात येत आहे. या राष्ट्रीय हेल्पलाइनचा उददेश हा भारतातील ज्येष्ठ नागरिकांच्या तक्रारींचे निवारण करण्यासाठी एक विश्वासार्ह राष्ट्रीय हेल्पलाइन तयार करून ज्येष्ठ नागरिकांच्या जीवनात सकारात्मक बदल घडविणे तसेच अत्याचारग्रस्त वृद्ध व्यक्तींची काळजी घेणे हा आहे. महाराष्ट्र राज्यात १४५६७ ही सेवा ऑगस्ट २०२१ पासून सुरू करण्यात आली आहे.

ज्येष्ठ नागरिकांच्या विविध समस्येविषयी आणि ज्येष्ठ नागरिकांच्या समस्या निवारण करण्यासाठी हेल्पलाईनची कार्यप्रणाली ही संपूर्ण भारतात एकाच पद्धतीने कार्यरत आहे. या मध्ये कनेक्ट सेंटर व फिल्ड टीम, विविध शासकीय यंत्रणा, पोलीस प्रशासन, विविध ज्येष्ठ नागरिक संघटना, विविध स्वयंसेवी संस्था, कायदेविषयक सल्लागार, समुपदेशक, स्वयंसेवक आदींच्या सहभागातून व मदतीने ही हेल्पलाईन कार्यरत आहे.

सॅनफ्लॅग आर्यन अँड स्टील कंपनीत अपघातात दोन मजूर जखमी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

वरठी (भंडारा) : सॅनफ्लॅग आर्यन अँड स्टील कंपनी वरठी येथील ब्राईट बार विभागात झालेल्या अपघातात दोन मजूर जखमी झाले. सदर घटना सोमवारी सकाळी १०.३० वाजताच्या दरम्यान घडली. क्रेनच्या साहाय्याने सामान स्थलांतरित करण्याकरिता लावण्यात आलेल्या पुल्लीचे वायर तुटल्याने ती मजुरांच्या अंगावर पडल्याने सदर दुर्घटना घडली.

कंत्राटी कामगार आशिष लिल्हारे व मुख्यमंत्री प्रशिक्षण योजनेअंतर्गत प्रशिक्षणार्थी बादल झंझाड हे सकाळ पाळीत ब्राईट बार विभागात इलेक्ट्रिकलचे काम करीत होते. या विभागात एका ठिकाणाहून दुसरीकडे वजनी सामान नेण्याकरिता क्रेनचा वापर होतो. अचानक सामान वाहून नेणा[]या क्रेनच्या पुल्लीचे वायर तुटल्याने हुकासह पुल्ली मजुरांच्या अंगावर पडली. एकाच्या डोक्यावर पडून सोबत काम करीत असलेल्या दुस[]या मजुरांच्या पायावर आदळली. यात एका मजुरांच्या डोक्याला दुखापत झाली असून दोन्ही मजुरांचे पायाचे हाड मोडल्याची माहिती आहे. कंपनी व्यवस्थापनाने अजूनही अधिकृत माहिती दिली नसल्याने परिसरात नानाविध चर्चा रंगल्या होत्या. दोन्ही जखमी मजुरांना कंपनी व्यवस्थापनाने भंडारा येथील लक्ष हॉस्पिटल येथे दाखल केले असून त्यांच्यावर उपचार सुरू आहेत. व्यवस्थापनाचे अधिकारी व सॅनफ्लॅग कामगार संघटनेच्या पदाधिका[]यांनी घटनास्थळी भेट देऊन अपघाताची माहिती घेतली.

प्रकृती धोक्याबाहेर

दोन्ही जखमी मजुरांची प्रकृती धोक्याबाहेर असून एका मजुरांच्या उजव्या पायाला व दुस[]याच्या डाव्या पायाला फ्रॅक्चर असल्याची माहिती कंपनी व्यवस्थापनाने दिली. डोक्याला किरकोळ मार असल्याची माहिती असून दवाखान्यात दोन्ही मजुरांच्या डोक्याचे एमआरआय व सिटी स्कॅन रिपोर्ट नॉर्मल असल्याचे कंपनी व्यवस्थापनाने सांगितले.

देव्हाडीतील २५० क्लेरीयन कामगारांचा कारखान्यावर हल्लाबोल

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर (भंडारा) : तुमसर तालुक्यातील मौजा देव्हाडी येथील औषध निर्मिती करणा[]या क्लेरियन कंपनीत २२ जानेवारीच्या मध्यरात्री घडलेल्या रासायनिक अपघातात गंभीर जखमी झालेल्या सुपरवायझरचा उपचारादरम्यान शनिवारी दुपारी मृत्यू झाला. यामुळे कामगारांच्या सुरक्षेच्या मुद्द्यावरून कामगारांनी आंदोलन सुरू कलेले आहे. परिणामतः दोन दिवसांपासून कारखान्याचे उत्पादन ठप्प आहे.

सुनील दमाहे (३२, रा. देव्हाडी) या कामगाराचा दोन दिवसांपूर्वी झालेल्या अपघातानंतर रुग्णालयात उपचारादरम्यान मृत्यू झाला होता. कर्मचा[]यांना पुरेशी सुरक्षा साधने उपलब्ध नसल्याने आणि सुरक्षेकडे दुर्लक्ष होत असल्याने हा अपघात घडल्याचा आरोप आहे. सुरक्षेच्या उपायोजना, []म्बुलन्स सेवा व वेतन वाढ करण्याची मागणी आदींसह अनेक मागण्या कामगारांनी मांडल्या आहेत.

उच्च प्राथमिक गटात तुमसर तर प्राथमिक गटात लाखनी तालुका चॅम्पियन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिल्हा परिषद प्राथमिक शिक्षण विभागातर्फे आयोजित जिल्हास्तरीय शालेय सांघिक, वैयक्तिक क्रीडा व सांस्कृतिक विभागात सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करुन उच्च प्राथमिक विभागात पंचायत समिती तुमसर तर प्राथमिक विभागात लाखनीने चॅम्पियन चषक पटकावला. जिल्हास्तरीय शालेय क्रीडा व सांस्कृतिक महोत्सवाचे आयोजन दि. २० ते २२ जानेवारी २०२५ या कालावधीत महालगाव ता. साकोली येथे करण्यात आले होते.

या महोत्सवाचा बक्षीस वितरण सोहळा अतिशय उत्साहात पार पडला. जिल्हा परिषद उपाध्यक्ष संदीप ताले यांच्या शुभहस्ते, शिक्षण सभापती रमेश पारधी, समाजकल्याण सभापती मदन रामटेके, उपविभागीय अधिकारी साकोली अश्विनी मांजे, पंचायतसमिती साकोली नवनिर्वाचित सभापती ललित हेमणे, जिल्हा परिषद सदस्य दिलीप सार्वे, उमेश पाटील, पंचायत समिती साकोलीचे गटविकास अधिकारी पी. व्ही. जाधव, शिक्षणाधिकारी माध्यमिक रविंद्र सलामे, कृषी उत्पन्न बाजार समितीचे सभापती शिवराम गिऱ्हेपुंजे, महालगावचे सरपंच नंदकिशोर कावळे, उपसरपंच ज्योती खोटेले तसेच परिसरातील सरपंच, उपसरपंच, सदस्यगण सर्व गटशिक्षणाधिकारी, शिक्षण विस्तार अधिकारी, केंद्र प्रमुख, शिक्षक संघटना पदाधिकारी व इतर मान्यवर उपस्थित होते. कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक व अहवाल वाचन शिक्षणाधिकारी प्राथमिक रविंद्र सोनटक्के यांनी केले. कार्यक्रमाचे आभार प्रदर्शन विजय आदमने, गटशिक्षणाधिकारी साकोली यांनी केले. या महोत्सवात नैपुण्य चषक उच्च प्राथमिक गटात पंचायत समिती, तुमसरने पटकावला. तर प्राथमिकगटाचा नैपुण्य चषक पंचायत समिती लाखनीने पटकावला.

७ पैकी ५ शासकीय आयटीआय संस्थांच्या नावात होणार बदल

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

जेवनाळा : राज्याच्या कौशल्य रोजगार, उद्योजकता व नाविन्यता विभागाच्या वतीने राज्यातील शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थांचे नावात बदल करण्यात येणार आहे. यात भंडारा जिल्ह्यातील एकूण सात पैकी भंडारा, तुमसर, मोहाडी, पवनी व लाखांदूर या पाच शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थांचे नामकरण होणार आहे.

युवकांना रोजगाराभिमुख प्रशिक्षण देऊन त्यांना रोजगार व स्वयंरोजगारासाठी सक्षम बनविणे व खाजगी औद्योगिक आस्थापनांना लागणा[]या कुशल मनुष्यबळाचा पुरवठा करणे, या हेतूने राज्यात प्रत्येक जिल्ह्यात व तालुक्याच्या ठिकाणी शासकीय तसेच खाजगी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थांची निर्मिती

करण्यात आली आहे. ८ ऑक्टोबर २०२४ रोजी कौशल्य, रोजगार, विभागाच्या वतीने राज्यातील औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थांच्या नावात बदल करण्यात येणार आहे.

असे होणार संस्थांच्या नावात बदल

भंडारा येथील शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थेचे नाव यापुढे रामभाऊ अस्वले शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भंडारा, लाखांदूर येथील शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थेचे नाव यापुढे नामदेवराव दिवटे शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था लाखांदूर, मोहाडी येथील शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थेचे नाव यापुढे परमवीर चक्र विजेता मेजर ध्यानसिंह थापा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मोहाडी, पवनी येथील शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थेस महासती बेनाबाई शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था पवनी असे नामकरण होणार आहे. तुमसर येथील शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थेच्या नावात सम्राट पृथ्वीराज चव्हाण शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था तुमसर, असा बदल होणार आहे. नव्या बदलामुळे शासकीय औद्योगिक संस्थांचे जुने नाव बदलून नवी ओळख मिळणार आहे. नव्या नावाने या संस्था जिल्ह्यात ओळखल्या जाणार आहेत.

प्रीपेड मीटर नकोच ! वीज ग्राहक संघर्ष समितीची वीज कार्यालयावर धडक

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : घरगुती वापराकरिता कुठलीही पूर्वसूचना न देता वीज वितरण कंपनीने भंडारा शहरात प्रीपेड मीटर लावण्याचे काम सुरू केले. प्रीपेड मीटरचा फटका सामान्य वीजग्राहकांच्या विरुद्ध आहे. यावर संतापलेल्या नागरिकांनी बुधवारी (दि. २२) वीजग्राहक संघर्ष समितीच्या वतीने वीज वितरण कंपनीच्या मुख्य कार्यालयावर धडक मोर्चा काढला.

मागण्यांचे निवेदन अधीक्षक अभियंता राजेंद्र गिरी यांनी स्वीकारले. तसेच वीजग्राहकांची परवानगी किंवा संमती असेल तरच स्मार्ट प्रीपेड वीज मीटर लावण्यात येईल, असे आश्वासन शिष्टमंडळाला दिले. मोचार्चे नेतृत्व समितीचे संयोजक जयश्री बोरकर, अजय मेश्राम, नितीन दुरगकर व अन्य सदस्यांनी केले.

यांनी नोंदविला सहभाग

स्मार्ट प्रीपेड वीज मीटर नको या बाबीवर बुधवारी राजीव गांधी चौकातील शिवार्पण टॉवर येथून महावितरण कार्यालयावर धडक मोर्चा काढण्यात आला. जिल्हा महिला काँग्रेस कमिटीचे पदाधिकारी व कार्यकर्ते उपस्थित होते. मोर्चात जयश्री बोरकर, नितीन दुरगकर, नरेंद्र पहाडे, अजय मेश्राम, युवराज उके, संजय मते, नितीन धकाते, राजू देसाई, विनोद भुरे, शमीम शेख, पवन मस्के, रिजवान काझी, नितीन झरकारिया, प्रकाश भोंगाडे, देवेंद्र उरकुडे, नीळकंठ देशमुख, दीपक साठवणे, टिंकू खान, पृथ्वी तांडेकर, नीलिमा रामटेके, सतीश मानकर, कुंदा आगाशे, प्रज्ञा नंदेश्वर, भावना शेंडे, भूषण भोंगाडे, सुनील बारई, संजय पैगवार आदी उपस्थित होते.

पूर्वसूचना दिलीच नाही

शहरातील काही भागात वीज वितरण कंपनीने पूर्वसूचना किंवा कुठलीही माहिती न देता स्मार्ट प्रीपेड विद्युत मीटर लावण्याचा सपाटा सुरू केला. अनेकांनी याला विरोधही केला, मात्र कर्मचा[]यांनी मीटर लावले. याला संतापून नागरिकांनी मोर्चा काढण्याचा निर्णय घेतला. त्यामुळे बुधवारी धडक मोर्चा काढण्यात आला.

११ हजार रुपयांच्यावर स्मार्ट प्रीपेड मीटरची किंमत आहे.

प्रीपेड मीटर लावल्यानंतर किती रुपयांचे रिचार्ज केल्यावर किती युनीट वीज मिळेल हे सुद्धा कुठेही स्पष्ट करण्यात आले नाही. तसेच याबाबत जनजागृतीही केली नाही.

जबाबदारी वीज कंपनीची

मीटर लावण्याला विरोध असतानाही वीज वितरण कंपनीने जबरदस्तीने मीटर लावल्यास उद्भवणा-या असंतोषाला आम्ही कारणीभूत राहणार नाही. याची सर्वस्वी जबाबदारी वीज वितरण कंपनीची राहील.

- जयश्री बोरकर, संयोजक

पारदर्शकतेचा अभाव

स्मार्ट विद्युत मीटरची सिंगल फेजसाठी २ हजार ६१० रुपये किंमत आहे, तर श्री फेज मीटरची किंमत ४०५० रुपये इतकी आहे. मात्र प्रीपेड विद्युत मीटरसाठी प्रत्यक्ष किंमत दुप्पट म्हणजेच ११ हजार ९८७ आहे. पारदर्शकतेचा अभाव व आर्थिक भार ग्राहकांवर लादण्यात येणार आहे. मीटर खरेदीसाठीची टेंडर प्रक्रियाही पारदर्शक राहिलेली नाही.

- नितीन दुरगकर, संयोजक

अन्यथा आम्ही उत्तर देऊ

स्मार्ट प्रीपेड वीज मीटर लावताना ग्राहकांची परवानगी घ्या. परवानगी नसताना वीज मीटर लावण्यास आम्ही आपल्या स्टाइलने उत्तर देऊ, असा खणखणीत इशाराही आम्ही दिला आहे. यावर वीज कंपनीने विचार करावा.

- नितीन धकाते, भंडारा

ग्रंथपूजन व ग्रंथदिंडीचे थाटात उद्घाटन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : महाराष्ट्र राज्य सांस्कृतिक धोरण २०१० अंतर्गत उच्च व तंत्रशिक्षण विभाग, ग्रंथालय संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई व जिल्हा ग्रंथालय अधिकारी कार्यालय, भंडारा यांचे संयुक्त विद्यमाने भंडारा ग्रंथोत्सव-२०२४ चे आयोजन २१ व २२ जानेवारी २०२५ रोजी आयोजित करण्यात आले. त्यानिमित्ताने आज २१ जानेवारी, रोजी जिल्हा ग्रंथालय अधिकारी कार्यालय स्टेशन रोड शास्त्री चौक भंडारा येथे सकाळी ९.०० वाजता ग्रंथपूजन करुन ग्रंथदिंडीचे जिल्हाधिकारी डॉ. संजय कोलते, जिल्हा पोलिस अधिक्षक नूरुल हसन, पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त साहित्यीक परशुरामकर खुणे यांच्या हस्ते विधीवत उद्घाटन करण्यात आले.

यावेळी ग्रंथालय संचालक मुंबई अशोक गाडेकर, सहायक ग्रंथालय संचालक नागपूर रामदास साठे, जिल्हा ग्रंथालय संघाचे अध्यक्ष धनंजय दलाल, जिल्हा ग्रंथालय अधिकारी, खुपेंद्र बोपचे मुख्य लिपिक, सग्रसं छत्रपती संभाजी नगर, तसेच संबंधित अधिकारी व कर्मचारी यांची प्रामुख्याने उपस्थिती होती. प्रारंभी जिल्हा ग्रंथालय अधिकारी कार्यालय ते गांधी चौक पर्यंत ग्रंथ दिंडी काढण्यात आली. महात्मा गांधीजी पुतळ्याला मान्यवरांच्या हस्ते पुष्पहार अर्पण करुन अभिवादन करण्यात आले. तद्नंतर शालेय विद्यार्थ्यांच्या लेझिमच्या तालात ग्रंथदिंडी ही गांधी चौक येथून शास्त्री चौकातील जिल्हा ग्रंथालयात नेण्यात आली.भंडारा शहरातील नागरिकांचा तसेच शालेय विद्यार्थ्यांचा उत्स्फुर्त सहभाग होता.

अवैध रेती भरलेले दोन एलपी ट्रक वर पोलीसांची कारवाई

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

विना परवाना अंदाजे १५ ब्रास रेती भंडारा कडे वाहून नेतानाआढळले.

मोहाडी : विना परवाना रेती वाहतूक करणाड्या एक सारखे नंबर असलेल्या दोन एल पी ट्रकवर मोहाडी पोलिसांनी येथील जुना बस स्टॉप चौक येथे कारवाई करून एक कोटी ९० हजारांचा मुद्देमाल जप्त केला. तसेच चार लोकांवर गुन्हा सुद्धा दाखल करण्यात आला आहे. रेती चोरी होऊ नये म्हणून सध्या पोलिसांची कडक मोहीम सुरू आहे. मंगळवारी रात्री ८.१५ वाजता जुना बस स्टॉप चौक मोहाडी येथे पोलिसांची नाकाबंदी सुरू असताना एलपी ट्रक क्रमांक एम.एच. ४०/ सि.एल. ४१९८ आणि एम.एच. ४०/ सि.एम. ४१९८ हे कागदपत्रांची पडताळणी केली असता या प्रकरणी आरोपी राजेशकुमार विश्वकर्मा, व शेख सद्दाम शेख दोन्ही रा. विजयापाणी जि. शिवनी (म.प्र.) तसेच सहदेव पारधी व महादेव पारधी दोन्ही रा. देवलापार जि. नागपूर यांच्यावर कलम ३०३(२), ४९, ३(५), भा.न्या.सं., सहकलम ४८(८) म.ज.म. कायदा, सहकलम ७, ९, पर्यावरण सुरक्षा अन्वये गुन्हा दाखल करण्यात आला. तसेच दोन्ही एल पी ट्रक किंमत एक कोटी आणि दोन्ही ट्रक मध्ये असलेली रेती १५+१५ ब्रास ३० ब्रास चे ९० हजार असे एक कोटी ९० हजार रुपयांचा साहित्य जप्त करण्यात आला. ही कामगिरी येथील पोलीस निरीक्षक सुरेंद्र बेलखेडे व त्यांच्या चमुने केली. पुढील तपास पोहवा त्रिमूर्ती लांडगे हे करीत आहेत.

दिव्यांगांचे गणराज्यदिनी करो वा मरो आंदोलन

२६ जानेवारीला जिल्हाधिकारी कार्यालयासमोर आंदोलन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : दिव्यांगांच्या विविध मागण्या दुर्लक्षित असून, याला शासनाचे उदासीन धोरण कारणीभूत आहे. न्याय मागण्यांचा पाठपुरावा करून सुद्धा दिव्यांगांच्या तोंडाला पाने पुसली जात आहेत. त्यामुळे अपेक्षित मागण्यांच्या पूर्ततेसाठी भारतीय गणराज्य दिनी २६ जानेवारी रोजी जिल्हाधिकारी कार्यालयासमोर करो वा मरो आंदोलन होणार आहे.

प्रहार अपंग क्रांती आंदोलन भंडारा चे जिल्हाध्यक्ष रवि मने तसेच पदाधिका[]यांनी जिल्हाधिकारी यांना निवेदनातून हा इशारा दिला आहे. दिव्यांगांनी २६ जानेवारी रोजी सकाळी ८ वाजता जिल्हाधिकारी कार्यालयासमोर उपस्थित राहावे, असे आवाहन जिल्हाध्यक्ष रवि मने, जिल्हासचीव योगेश्वर घाटबांधे, जिल्हा कार्यकारणी सदस्य प्रशांत शिवणकर, एकनाथ बाभरे, विद्या कुकडे, सीमा कोसरे, पिंटू पटले,तालुकाध्यक्ष सुनिल कहालकर, चरणदास सोनवणे, लिना साखरे, शेषराव गणवीर केले आहे.

या आहेत मागण्या

दिव्यांग बांधवांना ६ हजार रुपये पेन्शन तातडीने लागू करावी मानधन दिव्यांग लाभार्थ्यांच्या बँक खात्यात खूप उशिरा जमा होते ते तातडीने व नियमित वेळेत देण्यात यावे उत्पन्नाची अट एक लाख पन्नास हजार करण्यात यावी मुले एकवीस वर्षे झाल्यावर पेन्शन बंद करण्यात येऊ नये, प्रत्येक जिल्ह्यात सुसज्ज दिव्यांग भवनाची उभारणी करावी, अंत्योदय योजनेचा लाभ द्यावा, व्यवसायासाठी २०० चौ. फु. जागा द्यावी, वित्त विकास महामंडळाकडून वितरित केलेले कर्ज माफ करावे, याआधी दिलेली फिरत्या विक्री केंद्राची वाहने निकृष्ट असल्याने चांगल्या कंपनीची वाहने उपलब्ध करावीत, दिव्यांग विद्यार्थ्यांना स्वाधार योजना लागू करावी, स्वयंरोजगाराकरिता स्टॉल द्यावे, राज्यात दिव्यांग विद्यापीठ तयार करावे, दिव्यांगांना अंतोदय योजनेत समाविष्ट करावे, आदी मागण्यांसाठी आंदोलन केले जाणार आहे.

सरकारने लक्ष द्यावे

विद्यार्थ्यांच्या प्रशिक्षणासाठी बार्टीच्या धर्तीवर संत गाडगेबाबा दिव्यांग प्रशिक्षण संस्था स्थापन करण्यात यावे, अशी मुख्य मागणी करण्यात आली आहे.

प्रकृती बरी वाटते नसल्याने शाळेतून घरी येताच मुख्याध्यापकाचा मृत्यू

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

करडी/पालोरा : नेहमीप्रमाणे सकाळी १०.०० वाजता शाळेत गेले. पण अचानक प्रकृती बिघडल्याने शाळेतून घरी परत येताच मुख्याध्यापकाचा मृत्यू झाल्याची घटना आज दि. २१ जानेवारी रोजी पालोरा (जांभोरा) येथे घडली. गोविंद मुंजाजी आव्हाड (वय ४०) रा. जिंतूर, जि. परभणी, हल्ली मुक्काम पालोरा असे आहे. सविस्तर असे की, मोहाडी पंचायत समितीतील करडी केंद्र अंतर्गत येणाड्या मोहगाव येथे गोविंद आव्हाड हे मुख्याध्यापक होते. आज मोहगाव शाळेत येथे १० वाजे हजर झाले. परंतु अचानक प्रकृती बिघडल्याने पालोरा येथे घरी पोहोचताच ११.३० वाजेच्या दरम्यान मृत्यू पावले. त्यामुळे अचानक केंद्रातील शिक्षक वर्गात एक धक्का पोहचला आहे. उद्या २२ जानेवारी २०२५ रोजी दुपारी ११.०० वाजता जिंतूर जि. परभणी येथे अंतिम संस्कार करण्यात येणार आहे. त्यांचे पश्चात पत्नी, दोन मुले, आई, वडील व आप्त परिवार आहे.

जिल्हा परिषद शाळा बोरगावच्या विद्यार्थ्यांना बॅग वाटप

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

सिहोरा : जिल्हा परिषद शाळा बोरगाव येथे कनक, कलश व कशिश वि क्लबच्या संयुक्त वतीने लहान मुला मुलींना काल २० जानेवारी रोजी स्कूल बॅगचे वाटप करण्यात आले. तर यात वार्ताहर रामलाल बिसेन, जितू पटले, धीरज गजभिये व पंकज शुक्ला यांचे सुद्धा शाल व श्रीफळ देऊन क्लबच्या वतीने सत्कार करण्यात आले. तत्पूर्वी कार्यक्रमाच्या अध्यक्षा दीपाताई टेंभेकर यांनी विद्येचे दैवत सरस्वतीबाई फुले यांच्या प्रतिमेला पुष्पहार अर्पण व ज्योत प्रज्वलित करून कार्यक्रमाची सुरुवात केली. आमच्या वि क्लबची स्थापना २०१९ अशी असून क्लबच्या वतीने नवीन बसस्थानकावर मुला मुलींसाठी वेंडिंग (पॅड) मशीन लावण्यात आली आहे. पोलीस स्टेशन तुमसर येथे बसण्याकरिता सिमेंटचे सोपे देण्यात आले आहेत.

गरीब, बहिड्डया व गरजू लोकांना कानात लावण्यासाठी मशीन देण्यात आली आहे. अपंगांना व ज्ञान गंगा मतिमंद शाळेमध्ये सुद्धा व्हील चेअर देण्यात आले. तर एका गरीब मुलीच्या लग्न समारंभाला सुद्धा २५ हजार रुपया पर्यंतची मदत देण्यात आली आहे.

दरवर्षी शासकीय रुग्णालयात नवजात मुलांना स्वेटर व मातांना शाक्स पुरविले जात असल्याचे क्लबच्या संस्थापिका मंजुश्री जयस्वाल यांनी सांगितले.तर नवभारतचे वार्ताहर जितू पटले यांनी वि क्लबच्या वतीने राबविण्यात येत असलेले उपक्रम हे प्रशंसनीय व कौतुकास्पद आहेत या केलेल्या कायार्चे कौतुक करित पुढील कार्य उत्साहाने,जोमाने व दृढ निश्चय पुढे ठेवून करावे आमच्या पत्रकारांची चमू सदैव आपल्या सोबत उभी राहील अशी ग्वाही सुद्धा जितु पटले यांनी आपल्या समारोपीय भाषणातून दिली.

यावेळी ग्रामपंचायत बोरगावच्या सरपंचा दीपा ताई टेंभेकर, मुख्याध्यापक अंबुले, वी क्लब कनक, कलश व कशिषच्या अध्यक्ष हर्षा वाहने, ज्योत्स्ना पुजारी, प्रभा सोनकर सचिव ज्योती भोयर, जयश्री गोस्वामी, रंजना ठाकरे ट्रेझर शेषना कवाने, गुड्डी अंबुले, स्नेहा जयस्वाल, सदस्य निमा रिनायत, राजश्री लांजेवार, लता उके, माया जयस्वाल, शालिनी राऊत, विशेष शिक्षिका प्राजक्ता अंबुले, प्रल्हाद गौतम, ग्रा.पं.सदस्य अर्चना पटले, कल्पना धमगाये, आशा सेविका वनिता रिनाईत व आरती तुरकर उपस्थित होते.

लाडकी बहीण योजनेचा लाभ घेणाऱ्या निराधारांचे पैसे बंद होणार काय?

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : संजय गांधी निराधार योजनेंतर्गत लाभ मिळणाऱ्या अनेक महिलांनी 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण' योजनेच्या लाभासाठी अर्ज सादर केला होता. अनेक महिलांना या योजनेचा लाभ मिळण्यासही सुरुवात झाली. मात्र, ज्या महिलांना निराधार योजनेतून अनुदान मिळत असेल, अशा महिलांना केवळ एकाच योजनेचा लाभ मिळणार असल्याची माहिती आहे.

निराधार व्यक्ती, अंध, दिव्यांग, अनाथ मुले, गंभीर आजार, घटस्फोट किंवा दुर्लक्षित महिला, अत्याचारग्रस्त महिला, तृतीयपंथी आदींना संजय गांधी निराधार योजनेच्या माध्यमातून आर्थिक मदत दिली जाते. संजय गांधी निराधार अनुदान योजनेमधील लाभार्थी ६५ वषार्चे झाल्यानंतर त्या लाभाथीर्ना श्रावणबाळ योजना, राज्य निवृत्तिवेतन योजना व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धापकाळ निवृत्तिवेतन योजनेत सामावून घेतले जाते.

जिल्ह्यात अनेक महिला या योजनेच्या लाभार्थी आहेत. त्यांना नियमित अनुदान मिळत नसल्याने अडचणींचा सामना करावा लागतो. शासनाने या महिलांना नियमित अनुदान देणे गरजेचे आहे.

विशेष म्हणजे, लाडकी बहीण योजनेच्या लाभापासून अनेक महिला वंचित आहेत. २.५० लाखांच्या वर लाडकी बहिण योजनेचे लाभार्थी आहेत. सदर महिलांना केव्हा लाभ मिळणार, याची प्रतीक्षा आहे. आपल्या बैंक खात्यात पैसे केव्हा जमा होतील, याची त्या वाट बघत असतात.

फेब्रुवारीपासून अनुदान होणार बंद

दोन्ही योजनांचा लाभ घेणाऱ्या महिलांचे अनुदान बंद होणार आहे. यासाठी प्रशासनाने कागदपत्रांची छाननी सुरू केली असल्याची माहिती आहे.

आधार, बँक पासबूक जमा करण्याची प्रक्रिया सुरु

संजय गांधी निराधार योजनेचा लाभघेणा[]या महिलांकडून आधार कार्ड, बँक पासबुक महसूल विभागाकडे जमा करण्याची प्रक्रिया सुरू झालेली आहे. काही दिवसांत ही प्रकिया पूर्ण होणार आहे.

ज्या महिला दोन्ही योजनांचा लाभ घेत आहेत अशा महिलांची पडताळणी केली जाणार आहे.

कागदपत्रे जमा न केल्यास अनुदान होणार बंद

ज्या निराधार महिलांनी महसूल विभागाकडे कागदपत्रे जमा केली नाहीत तर त्यांना पुढे मिळणारे अनुदान बंद होणार आहे. विशेष म्हणजे, यातून छाननी केली जाणार आहे. त्यामुळे ज्यांनी बोगस लाभार्थी आहेत किंवा दोन्ही योजनांचा लाभ घेत आहेत. त्यांना आता अडचणी भेळसावणार असून, त्यांचे अनुदान बंद होणार आहे.

२४ जानेवारीपासून लाभमिळण्यास सुरुवात

लाडकी बहीण योजनेंतर्गत जानेवारी महिन्याचे पैसे महिलांच्या बँक खात्यात दि. २४ जानेवारीपासून जमा होण्यास प्रारंभ झाला आहे

स्मशानात कार्यालय बांधकाम ? ग्रामपंचायत धुसाळा येथील प्रकार

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

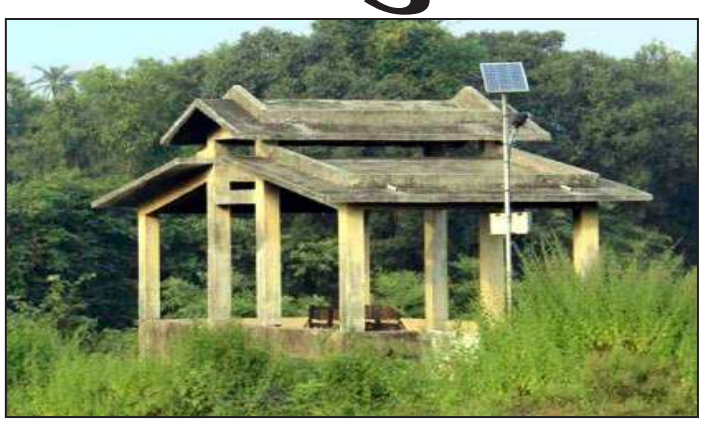

भंडारा : वर्दळीच्या असलेल्या खात रोड भागातील सिंग टॉवर या बहुमजली व्यावसायिक इमारतीमध्ये आग प्रतिबंधक व जीव संरक्षक उपाययोजना न बसविणे आता या इमारत मालकाला भोवणार आहे. चौकशीत हा प्रकार लक्षात येऊनही इमारत मालकावर गुन्हा दाखल करण्यास विलंब होत होता. अखेर माध्यमांनी यावर प्रकाश टाकल्यावर बुधवारी सकाळी पोलिसांनी गुन्ह्याची नोंद केली. यासंदर्भात 'लोकमत'ने २१ जानेवारीच्या अंकात वृत्त प्रकाशित करून प्रशासनाचे लक्ष वेधले होते, हे विशेष !

१४ जानेवारीच्या घटनेनंतर पोलिस आणि पालिका अधिका[]यांनी केलेल्या चौकशीत येथे आग प्रतिबंधक व जीव संरक्षक उपाय योजनांचा अभाव दिसून आला होता. पंचनामा करून सहा दिवसांनंतरही गुन्हा दाखल केला नव्हता. नगरपालिका कर्मचा[]यांनी पंचनाम्याची कागदपत्रे तक्रारीसह जोडली नसल्याने गुन्हा दाखल केला नसल्याचे पोलिस निरीक्षक गोकुळ सूर्यवंशी यांनी सांगितले होते.

दरम्यान, बुधवारी सकाळी नगर परिषदेकडून पोलिसात पंचनाम्यासह तक्रार दाखल करण्यात आली. त्यानंतर वेगाने चक्रे फिरविली. पोलिसांचा ताफा सकाळी ११:३० वाजताच्या सुमारास सिंग टॉवरमध्ये पोहोचला. घटनास्थळाची पहाणी करून टॉवर मालक विरेंद्र सिंग यांच्याविरुद्ध भारतीय न्याय संहिता कलम १२५, २८७ आणि महाराष्ट्र अग्नी प्रतिबंधक आणि जीवन सुरक्षा उपाय अधिनियम-२००६ च्या कलम ३६ नुसार गुन्हा नोंदविण्यात आला.

...तर घडली असती गंभीर घटना

सिंग टॉवरच्या ज्या दुस[]या माळ्याला आग लागली, त्याच्या तिस[]या माळ्यावर एक खासगी कोचिंग क्लास चालतो. आग लागण्याच्या सुमारे १० ते १५ मिनिटांपूर्वीच हा क्लास सुटल्याने विद्यार्थी निघाले होते. सुदैवाने ही दुर्घटना नंतर घडली. अन्यथा जळालेल्या माळ्यावर विद्यार्थी अडकून मोठी दुर्घटना घडली असती.

बांधकाम विभागाने परवानगी दिलीच कशी ?

सुमारे साडेतीन वर्षांपूर्वी ही इमारत बांधण्यात आली. बहुमजली इमारतीच्या बांधकामाला नगर परिषद परवानगी देते. व्यावसायिक वापराच्या इमारतीमध्ये फायर सेफ्टी यंत्रणा बसविली अथवा नाही, याचे प्रमाणपत्र नगर परिषदेच्या अग्निशमन विभागाकडून घेणे आवश्यक असते. मात्र, या विभागाकडून प्रमाणपत्र न घेताच बांधकाम विभागाने येथे परवानगी दिलीच कशी? त्यासाठी कोणाचे आदेश होते? याचीही चौकशी होणे आता गरजेचे आहे.

मकर संक्रातीच्या गोड मुहुर्तावर हरविलेले ४१ मोबाईल मुळ मालकांना परत गोंदिया शहरातुन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

गोंदिया : गोंदिया शहर पोलीस ठाणे हद्दीतुन मागील ०३ महिन्यात वेगवेगळ्या ठिकाणाहुन वेगवेगळे कंपनीचे ॲन्डमोबाईल हॅन्डसेट हरविल्याच्या तक्रारी गोंदिया शहर पोलीस ठाणे येथे प्राप्त झालेल्या होत्या. सदर तक्रारीचे गोंदिया शहर पोलीस ठाणे येथील ठाणेदार किशोर पर्वते, पोलीस निरीक्षक यांनी गंभीर दखल घेवून त्यांच्या अधिनस्त गुन्हे प्रकटीकरण शाखेचे अंमलदार यांना मार्गदर्शन करुन हरविलेल्या मोबाईलचे शास्त्रोक्त पध्दतीने शोध घेण्याबाबत आदेशीत केले. त्याअनुषंगाने गुन्हे प्रकटीकरण शाखेचे अंमलदार अशोक रहांगडाले, कुणाल बारेवार यांनीहरविलेल्या मोबाईलचे केंद्र शासनाच्या सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर या अप्लीकेशन वर हरविलेले मोबाईलचे अर्ज अपलोड करुन पथकाने गोंदिया शहर पोलीस ठाणे हद्दीतुन हरविलेले किंमती २,४६,०००/- रु.चे एकुण ४१ मोबाईल बुध्दीकौशल्याचा वापर करुन अती परिश्रमाने शोधुन काढले. सदरचे मोबाईल मकर संक्रातीच्या गोड मुहुर्तावर दि. १३ जानेवारी २०२५ रोजी श्रीमती रोहीणी बानकर, उपविभागीय पोलीस अधिकारी गोंदिया व गोंदिया शहर पोलीस ठाणे येथील किशोर पर्वते, पोलीस निरीक्षक यांच्या हस्ते त्यांच्या मालकांना परत करण्यात आले.

मोबाईल मालकांना त्यांचे हरविलेले मोबाईल त्यांच्या हाती परत येताच त्यांच्या चेहड्डयावरील आनंद द्विगुणीत होवून समाधान दिसत होते. पोलीसांच्या या स्तुत्य कामगीरीचे सगळीकडेच कौतुक होत आहे. प्रमोद शेंडे, सोनु नागपुरे तसेच सायबर सेल येथील मारवाडे, रहिले, येरणे यांनी केली आहे.

जलपर्यटन के लिए 147 करोड़ रुपए की निधि का इंतजार

पहले चरण में मिले 102 करोड़, प्रकल्प पूरा करने चाहिए 650 करोड़ की राशि

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिला तालाबों के जिले के रूप में प्रख्यात है। ऐसे में तालाब, विभिन्न प्रकल्प, नदियां, किले हैं, जो पर्यटन के लिए उपयुक्त हैं। इन पर्यटन स्थलों का विकास करने पर स्थानीय नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। जिसके लिए पर्यटन विकास के काम शुरू है। जिसके लिए 147 करोड़ रुपए के निधि की प्रतीक्षा है। ढाई वर्ष पूर्व शुरू हुए प्रयास अब फलदायी साबित हो रहे हैं। इस वर्ष पर्यटन के संदर्भ जिले में काम किए जाएंगे, ऐसी आशा लोगों को है। गोसीखुर्द जलपर्यटन प्रकल्प इस वर्ष शुरू होने की उम्मीद है। इस प्रकल्प के पहले चरण के लिए 102 करोड़ रुपए की निधि प्राप्त हुई थी।

दूसरे चरण के लिए 147 करोड़ रुपए की निधि की जरूरत है। इस निधि की प्रतीक्षा की जा रही है। विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने इस प्रकल्प के लिए प्रयास किए हैं। मौदी में एक टापू का विकास किया जा रहा है। इस जगह रिसार्ट, बोटिंग, स्विमिंग पूल, गार्डन जैसी सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है।

इन सुविधाओं का लाभ पर्यटकों को होगा। पहले चरण में मौदी, कारधा, कोरंभी और पवनी (गोसीखुर्द प्रकल्प) इन चार जगह का विकास होगा। वर्ष 2024-25 वित्तीय वर्ष तक जलपर्यटन का निर्माणकार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसका पर काम शुरू हो गया है। नदीतट की जगह समतल की गई है। दूसरे चरण की निधि मिलने के पश्चात मौदी, कारधा, कोरंभी और गोसीखुर्द इन प्रकल्प पर अधिक काम किया जाएगा। वैनगंगा नदी के जलक्षेत्र में जलपर्यटन होगा। इसके लिए करीब 15 नाव खरीदी जाएंगी। इनमें मोटरबोट, पैडल बोट, पैरासेलिंग आदि का समावेश रहेगा। इसके लिए निविदा प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। जिले के जलपर्यटन प्रकल्प के लिए 650 करोड़ रुपए की निधि की आवश्यकता है।

4 वर्षीय नाबालिग पर अत्याचार

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदूर : पड़ोसी मकान के एक 4 वर्षीय बालि को स्वयं के निवासी मकान में बुलाकर अत्याचार करने की घटना सामने आयी हैं. उक्त घटना पिछले 24 जनवरी को दोपहर 4 बजे के दौरान घाटी. इस घटना में पीड़िता के परिजनों के शिकायत पर तहसील के चिकना निवासी नाबालिग आरोपी बालक के खिलाफ दिघोरी/मो. पुलिस ने अत्याचार सहित पोक्सो कानून के विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है. पिछले 24 जनवरी को दोपहर 4 बजे के दौरान घटना के आरोपी ने पड़ोसी मकान के एक नाबालिग को घर बुलाया था. पीड़िता ने एक दिन बाद परिजनों को घटना की जानकारी दी. परिजनों ने दिघोरी/मो. के पुलिस थाने में शिकायत दर्ज की. आरोपी के खिलाफ धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है.

विविध क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करनेवालों का किया सम्मान

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस मुख्यालय कवायत मैदान में रविवार, 26 जनवरी को आयोजित कार्यक्रम में पालकमंत्री संजय सावकारे के हाथों जिले के विविध क्षेत्र में उत्कृष्ट काम करनेवाले शासकीय अधिकारी कर्मचारी, स्थानीय प्रशासकीय संस्था तथा स्वयंसेवी संगठनाओं को पुरस्कृत किया गया।

ध्वजारोहण के मुख्य कार्यक्रम के पश्चात जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के द्वारा कार्यरत सेवा पोर्टल एवं साइबर बोट प्रकल्प का उदघाटन पालकमंत्री संजय सावकारे के हाथों किया गया। इसमें भंडारा तहसील के बेला ग्राम पंचायत, खरबी ग्रामपंचायत, प्राची चटप, कैलाश चव्हाणविलास लांजेवार, विजय तायडे, अरबाज खान, लाखनी तहसील के केसलवाड़ा पवार ग्राम पंचायत, मोहाड़ी तहसील के पालडोंगरी ग्राम पंचायत, साकोली तहसील के सिरेगांवटोला ग्राम पंचायत, भंडारा तहसील के आमगांव ग्राम पंचायत, पवनी तहसील के रनाला ग्राम पंचायत, साकोली तहसील के लवारी ग्रापं, प्रीतम राजाभोज, राजू खवसकर, मीरा भट, शिवशंकर साकुरे, सेवकराम साहु, हेमंत चांदवसकर, शुभम भेदे, प्रवीण कारेमोरे, मोहम्मद अश्फाक हाजी अब्दुल सलाम पटेल, चेतन बोरकर, विजय आदमने, भेदराम फुलबांधे आदि को प्रमाणपत्र एवं नकद राशि देकर सम्मानित किया गया।

क्रेन की केबल टूटी, दो मजदूर गंभीर

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

वरठी : वरठी स्थित सनफ्लैग आर्यन एंड स्टील कंपनी के ब्राइट बार विभाग में अचानक क्रेन की केबल टूटने से नीचे काम कर रहे एक प्रशिक्षणार्थी व एक मजदूर पर लोहे का हुक गिर पड़ा, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए है। इस लोहे के हुक का वजन लगभग 70 से 80 किलो बताया जाता है। यह भीषण हादसा सोमवार, 27 जनवरी की सुबह करीब 10.30 बजे हुआ। घायलों के नाम अस्थायी मजदूर आशीष लिल्हारे तथा मुख्यमंत्री प्रशिक्षण योजना के तहत प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षणार्थी बादल झंझाड बताया गया है।

यह दोनों ब्राइट बार विभाग में इलेक्ट्रिक का काम करते है। घटना के समय क्रेन से सामान रखने के बाद क्रेन दूसरे स्थान पर जा रही थी, तभी अचानक केबल टूटने से लोहे का हुक 20 फीट ऊपर से नीचे गिर पड़ा, जिसकी चपेट में आने 0:19 0:52 रवठ ढछ से दोनों गंभीर रूप से घायल होकर उनके सिर व पैर पर गंभीर चोट आयी हैं। घटना के बाद दोनों को शहर के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहां उनका इलाज चल रहा है। हालांकि, इस घटना को लेकर कंपनी प्रबंधन ने कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी है, परंतु इस घटना के बाद कंपनी प्रबंधन के अधिकारी व सनफ्लैग कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर दुर्घटना की जानकारी ली। कंपनी के ब्राइट बार विभाग में क्रेन की सहायता से सामान एक स्थान से दूसरे स्थान पर शिफ्ट किया जाता है।

पूर्व सांसद पहुंचे अस्पताल:

सनफ्लैग स्टील कंपनी में हुए दुर्घटना में दो घायल कर्मचारी आशीष लिल्हारे तथा बादल झंझाड गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व सांसद सुनील मेंढे ने डॉ. व्यास के अस्पताल में जाकर दोनों घायलों का हाल जाना। कामगारों को न्याय मिले, इसके लिए सनफ्लैग कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी के साथ चर्चा की। इस समय भाजपा के मयूर बिसेन, मिलिंद मदनकर, अरुण भेदे, शिरीश धनकर, दुर्योधन अटराये, यश ठाकरे, ओजल शरणागत घायलों के परिवार के सदस्य उपस्थित थे

देसी शराब की तस्करी करते रंगेहाथ पकड़ा गया

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदूर : रात के दौरान बाइक से अवैध रूप से देशी शराब के तस्करी की गुप्त खबर पुलिस को मिली. इस खबर के आधार पर पुलिस ने बाइक से देशी शराब की तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को रंगेहाथ पकड़कर कुल 60,735 रुपयों का माल जब्त किया है.

सपेर्वाड़ा खेत परिसर में पांच घंटे बैठा रहा बाघ

परिसर में दहशत का माहौल

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : तहसील के कोका अभयारण्य से सटे ग्राम सपेर्वाडा के खेत परिसर में एक बाघ ने डेरा डाला है, जिससे परिसर के किसानों तथा नागरिकों में दहशत का माहौल है। शनिवार, 25 जनवरी को दोपहर करीब 1.30 बजे के दौरान परिसर के किसानों को खेत में बाघदिखाई दिया था, जो शाम लगभग 6.30 बजे तक वहीं डेरा डाले बैठा रहा। इस दौरान बाघ को देखने के लिए ग्राम सपेर्वाडा एवं आसपास के गांव के नागरिकों की भीड़ जुटी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को दोपहर करीब 1.30 बजे ग्राम सपेर्वाडा

के कुछ किसान खेत की ओर जा रहे थे।

तभी उन्हें एक पेड़ के नीचे बाघ बैठा हुआ दिखाई दिया। किसानों ने तत्काल गांव में लौटकर लोगों को खेत के पास बाघ होनेकी जानकारी दी। साथ ही वन विभाग व कारधा पुलिस को सूचना दी गई। पश्चात वन विभाग व कारधा पुलिस की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों की भीड़ को दूर किया तथा क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद वन विभाग की टीम ने बाघ को जंगल में खदेड़ने के लिए काफी कोशिश की। लकड़िया एवं पटाखे जलाए, लेकिन बाघ वहीं डेरा डाले बैठा रहा।

घंटों तक मशक्कत करने के बाद आखिरकार शाम करीब 6.30 बजे बाघ वहांसे जंगल की ओर भाग गया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। लेकिन खेतों में बाघ दिखाई देने से किसानों, खेतिहर मजदूरों में दहशत का माहौल है।

यह कार्रवाई वन विभाग के वनपरिक्षेत्र अधिकारी विलास बेलखोडे के मार्गदर्शन में वन विभाग के सचिन कुकडे, अजय उपाध्ये, अनिल शेलके व टीम ने की। इस समय कारधा पुलिस थाने के थानेदार गणेश पिसाल, पुरुषोत्तम थेर, गायधने, किरण नवघरे, प्रमोद आरीकर आदि उपस्थित थे।

अध्ययन के लिए सामग्री अभाव से विद्यार्थियों को हो रही भारी परेशानी

परीक्षार्थियों के लिए आधार है लाइब्रेरी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : सरकारी सब्सिडी के बावजूद, कई लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए आवश्यक पूरक वातावरण, संदर्भ सामग्री का अभाव है. इसलिए कई विद्यार्थी निजी लाइब्रेरी की ओर बढ़ रहे हैं. इसके माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में अनुभव रखने वालों को आधुनिक पाठ्य पुस्तकें शुरू करने से अच्छा व्यवसाय मिला है. भंडारा शहर में वर्तमान में 15-20 निजी लाइब्रेरी कार्यरत हैं. कई युवक युवतियों का लक्ष्य अपनी शिक्षा पूरी करने के सरकारी सेवा में शामिल होना होता है. बाद युवा इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं. शहर के शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई के लिए एकांत और शांतिपूर्ण माहौल होने के कारण हर साल शहर के लाइब्रेरी में प्रवेश की संख्या बढ़ रही है. कॉलेज के पुस्तकालय भी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अध्ययन करने वाले छात्रों से भरे हुए हैं.

विद्यार्थी घंटों पढ़ाई में रहता है. लाइब्रेरी में शांत वातावरण बनाए रखने के लिए प्रबंधकों द्वारा विशेष प्रयास किए जाते है.

साथ ही आधुनिक बैठक प्रणाली, लैपटॉप, टेबल, रखने के लिए पर्याप्त जगह, वाई फाई सुविधा और पीने का पानी आदि सुविधाएं पढ़ाई के लिए एक पूरक वातावरण बनाती है.

12 घंटे तक ग्रंथालय हाउसफुल

प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले नए छात्रों के साथ-साथ, जो वर्तमान में सरकारी सेवा में हैं, वे भी पदोन्नति के लिए आयोजित होने वाली परीक्षाओं की तैयारी के लिए अध्ययन कक्ष में आते हैं. ऐसे में सुबह 8 बजे से लेकर शाम 8 बजे तक 12 घंटे तक ये ग्रंथालय हाउसफुल रहते हैं. इसी उद्देश्य से भंडारा के सार्वजनिक लाइब्रेरी, सरकारी लाइब्रेरी, मुस्लिम लाइब्रेरी, सामाजिक न्याय विभागा की डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर लाइब्रेरी, अन्नाजी कुलकर्णी लाइब्रेरी, नासिकनगर बुद्ध विहार लाइब्रेरी, धर्मार्थ, सार्वजनिक और सरकारी लाइब्रेरी के अलावा शहर में कई निजी लाइब्रेरी है. शहर के छात्र इस लाइब्रेरी के सदस्य बन सकते है. मामूली शुल्क लेकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षा के लिए पुस्तकें, प्रासंगिक पाठ्य पत्रिकाएं, अखबार, इंटरनेट आदि उपलब्ध कराए जाते हैं.

छात्रों की संख्या हर साल बढ़ रही

भंडारा में शिक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए आने वाले छात्रों की संख्या हर साल बढ़ रही है. यहां ग्रामीण छात्र कमरा किराये पर लेकर रहते हैं. उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अध्ययन का माहौल अनुकूल लगता है. विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए शहर में शैक्षणिक गतिविधियों में भी बढ़ोतरी हुई है. शहर में 15-20 से अधिक निजी लाइब्रेरियां है. इन्हें छात्रों से भी बढ़िया रिस्पॉन्स मिल रहा है. एक अध्ययन में कम से कम 40-50 छात्र पढ़ते है. 300 से 500 रुपये मासिक शुल्क लिया जाता है.

'कन्या दान' योजना से बेटियों की चिंता दूर

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : शादियों पर होने वाले भारी खर्च को कम करने और अनुचित प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए पिछड़े वर्गों के सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाता है. इससे संबंधित परिवारों का खर्च बचता है. इसके अलावा, विवाह समारोह आयोजित करने वाली संस्था और भाग लेने वाले जोड़ों को कन्यादान योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है. विवाह समारोह आयोजित करने का अर्थ है एक बड़ी वित्तीय राशि खर्च करना. हर माता पिता अपनी क्षमता के अनुसार पैसा खर्च करते हैं.

अक्सर गरीब परिवारों के माता पिता को अपने बेटे-बेटियों की शादी के लिए मदद के लिए दूसरों के सामने हाथ फैलाना पड़ता है या दूसरों से कर्ज लेना पड़ता है. ऋणदाता भी उसकी सामर्थ्य को देखते हुए ऋण अस्वीकार कर देते हैं. ऐसे समय में उन अभिभावकों के सामने यह सवाल है कि वे क्या करें. सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग की ओर से पिछले कई वर्षों से कन्यादान योजना संचालित की जा रही है. इस योजना के तहत अगर आप सामूहिक विवाह समारोह में शादी करते हैं तो मंडप के साथ डाइनिंग हॉल का खर्च भी बच जाता है.

इसके अलावा, सरकार की ओर से प्रत्येक जोड़े को घरेलू सामान की खरीद परसब्सिडी भी प्रदान की जाती है. इसके अलावा संस्थानों को सरकारी सहायता भी मिलती है. कन्यादान योजना क्या बढ़ती महंगाई के कारण पिछड़े वर्ग के परिवारों में विवाह को कम खचीर्ला बनाने के लिए सामूहिक विवाह आयोजित करने वाले गैर सरकारी संगठनों को प्रोत्साहित करने के लिए कन्यादान योजना शुरू की गई है. इस योजना के तहत जोड़ों और संस्थानों को भी सहायता दी जाती है. यह योजना सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग की ओर से क्रियान्वित की जाती है.

गरीब परिवारों की मदद कन्यादान योजना गरीब परिवारों के लड़के-लड़कियों की शादी कराने में मदद करती है. इस योजना के माध्यम से विवाह समारोह धूमधाम से किया जाता है. दंपत्ति को घरेलू सामग्री के लिए अनुदान दिया जाता है.शर्तें क्या हैं कन्यादान योजना में भाग लेने के लिए वर-वधू की उम्र कानूनी दायरे में होनी चाहिए, साथ ही माता-पिता का सहमति पत्र भी जमा करना जरूरी है. संस्था का पंजीकरण होना चाहिए, तभी उक्त संस्था कन्यादान योजना के लिए पात्र है.

कचारगढ़ यात्रा 2025: आदिवासी संस्कृति का पवित्र केंद्र और आस्था का प्रतीक

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

गोंदिया : जिले के सालेकसा तहसील में स्थित कचारगढ़, आदिवासी समाज का प्रमुख श्रद्धास्थान है। यहाँ हर साल माघ पूर्णिमा के अवसर पर भव्य कोया पूनम यात्रा का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष यह यात्रा 10 से 14 फरवरी 2025 के बीच आयोजित होगी, जिसकी तैयारियों का जायजा राज्य के आदिवासी विकास मंत्री डॉ. संजय उइके ने लिया।

कचारगढ़ की गुफा, जो एशिया की सबसे बड़ी गुफाओं में से एक है, आदिवासी समाज के कुलदेवता माँ काली, कंकाली और कुपार लिंगो देव का पवित्र स्थान है। इस स्थान पर भारत के 16 से अधिक राज्यों और विदेशों से लाखों श्रद्धालु हर साल इस पवित्र यात्रा में शामिल होते हैं।

आदिवासी विकास विभाग और जिला प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। उनके ठहरने, भोजन और अन्य आवश्यकताओं की देखभाल सुनिश्चित की गई है। इस वर्ष मंत्री और आदिवासी संगठनों के बीच बैठक कर यात्रियों की समस्याओं पर चर्चा की गई और उनका समाधान करने के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया गया।

कचारगढ़ यात्रा न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह आदिवासी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का भी प्रतीक है। यह यात्रा आदिवासी परंपरा, आस्था और एकता की अनोखी मिसाल पेश करती है।

साप्ताहिक आवाज भंडारा हे वृत्तपत्र मालक, प्रकाशक, संपादक शमेशर वाहब खान यांनी राकेश प्रिंटींग प्रेस राजिव गांधी चौक, साई मंदीरसमोर तकीया वार्ड , भंडारा येथे छापून साप्ताहिक आवाज भंडारा कार्यालय, तकीया दर्गाह जवळ, तकीया वार्ड भंडारा येथे प्रकाशित केले. मुख्य संपादक -शमशेर खान मोबाईल नंबर - ७९७२७९५६५५ ईमेल-awazbhandara@gmail.com Owner,Publisher, ShamsherWahab Khan on behalf Of Weekly Awaz Bhandara Printed at Rakesh Printing Press, Rajiv Gandhi Chowk(TakiyaWard) Opp.sai mandir Bhandara-441904 and Published at takiya Dargah near Old Majjid, Takiya ward Bhandara 441904 Editor-Shamsher Khan Mo.7972795655
Email- awazbhandara@gmail.com प्रकाशित समाचारों से संबंधित कोई भी वाद भंडारा न्यायालय अंतर्गत निपटारा किया जाएगा !